IOSR Journal Of Humanities And Social Science (IOSR-JHSS)
Volume 29, Issue 9, Series 13 (September, 2024) 01-05
e-ISSN: 2279-0837, p-ISSN: 2279-0845.
www.iosrjournals.org

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनाः– एक ग्रामीण आर्थिक विश्लेषण
(हनुमानगढ़ जिले की फतेहगढ़ व सहजीपुरा ग्राम पंचायत के विशेष संदर्भ में)

जगजीत सिंह[1] डॉ पवन वर्मा[2] डॉ सुनील कुमार[3]
[1]शोधार्थी, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय हनुमानगढ़.335801
[2]सह आचार्य, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय हनुमानगढ़.335801
[3]आचार्य, माधव विश्वविद्यालय आबू रोड पिंडवाड़ा 307026
संवाददाता लेखक'' जगजीत सिंह, शोधार्थी श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय हनुमानगढ़.335801

Email- jagjeetsandhu0550@gmail.com

सारांशः– प्रस्तुत शोध पत्र हनुमानगढ़ जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के द्वारा रोजगार की स्थिति, आय के स्तर में परिवर्तन तथा जीवन यापन के स्तर में सुधार एवं संतुष्टि स्तर का अध्ययन किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि क्षेत्र के रोजगार के अलावा सरकार के द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे रोजगार से आमदनी, रोजगार से प्राप्त आवश्यक आय की पूर्ति, रोजगार प्राप्ति की उपलब्धता प्रति परिवार एवं प्रति व्यक्ति रोजगार की उपलब्धता, आजीविका में महिलाओं की भागीदारी का भी अवलोकन किया गया है। हमारे देश में ग्रामीण बेरोजगारी, भूख और गरीबी की समस्याएं अधिक है एवं रोजगार, आय प्राप्ति तथा आजीविका चलाने के स्रोत कम होते हैं। ग्रामीण महिलाओं को भी रोजगार के कम ही स्रोत प्राप्त होते हैं, तथापि मनरेगा योजना महिलाओं को भी रोजगार के अवसर देती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधारात्मक संकेत प्राप्त होते हैं।

शब्द कुंजी– ग्रामीण आर्थिक विकास, रोजगार उपलब्धता, लैंगिक समानता , महिला सशक्तिकरण

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को ग्रामीण गरीबी से निपटने के लिए तथा ग्रामीण आर्थिक विकास के उद्देश्य से अधिनियमित किया गया। बेरोजगारी को कम करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाया गया है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की उपलब्धता कराई जा सके। महिलाएं मनरेगा कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लगभग 50 भागीदारी बनती है। ग्रामीण शर्म बाजारों में पारंपरिक लैंगिक असमानताओं को देखते हुए यह भागीदारी दर विशेष रूप से उल्लेखनीय है। समान वेतन की गारंटी और महिलाओं के लिए अवसर पैदा करके मनरेगा न केवल घरेलू आय को बढ़ाता है बल्कि ग्रामीण समुदायों में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देता है। मनरेगा आर्थिक स्थिति को बढ़ाने और ग्रामीण भारत के व्यापक आर्थिक ढांचे में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अध्ययन के उद्देश्य–

(1) हनुमानगढ़ जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का ग्रामीण आर्थिक विकास पर प्रभाव का अध्ययन करना।

(2) हनुमानगढ़ जिले में मनरेगा योजना से संबंधित ग्रामीण जीवन में आर्थिक सुधारात्मक परीक्षण का अध्ययन करना।

(3) मनरेगा से रोजगार के अवसरों में धनात्मक स्तर का अध्ययन करना।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत कार्य दिवस–

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना से न्यादर्श क्षेत्र में उपलब्ध कार्य दिवस का अध्ययन किया गया है जिसे नीचे तालिका के माध्यम से दर्शाया गया है जिसके अंतर्गत 150 दिनों का सामान्य रोजगार उपलब्ध कराया जाता है लेकिन अध्ययन से पता चलता है कि अध्याय क्षेत्र में कल तीन प्रकार के कार्य दिवस श्रेणी है प्रथम 0 से 50, द्वितीय 50 से 100 एवं तृतीय 100 से 150 कार्य दिवस है। जिसके संबंध में सर्वेक्षण के माध्यम से तथ्य ज्ञात किए गए जो तालिका क्रमांक 1 में प्रस्तुत किया गया है

तालिका क्रमांक 1– मनरेगा के अंतर्गत न्यादर्श ग्राम पंचायत का कार्य दिवस

न्यादर्श ग्राम पंचायत	कार्य दिवस						योग	
	0–50		50–100		100–150			
	परिवार की सं.	प्रतिशत	परिवार की सं.	प्रतिशत	परिवार की सं.	प्रतिशत	परिवार की सं.	प्रतिशत
फतेहगढ़	133	16	205	24	78	9	416	49
स्हजीपुरा	82	9	235	28	115	14	432	51
योग	**215**	**25.35**	**440**	**51.88**	**193**	**22.75**	**848**	**100**

स्रोतः– प्राथमिक सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि न्यादर्श ग्राम पंचायत फतेहगढ़ में सहजीपुरा में मनरेगा के तहत न्यादर्श परिवारों का कार्य दिवस न्यादर्श 0 से 50 परिवारों की संख्या 215 में 25.35 प्रतिशत है इसी क्रम में 50 से 100 के कार्य दिवस में परिवारों की संख्या 440 में 51.88 प्रतिशत है इसी प्रकार 100 से 150 कार्य दिवस में 193 परिवारों की संख्या है जो की 22.75 प्रतिशत है तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि कार्य दिवस में वृद्धि होने से परिवारों की संख्या में कमी आई है तथा पी 50 से 100 दिनों के कार्य दिवस में परिवारों की संख्या अधिकतम है जो कि कल सर्वेक्षित प्रतिशत का 50 प्रतिशत है

मनरेगा के बाद किया गया कार्य

तालिका क्रमांक 2 मनरेगा के बाद किया गया कार्य

कार्य	फतेहगढ		सहजीपुरा		कुल	
	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत
कृषि	182	47	205	44	387	46
निर्माण	110	29	132	28	242	28
ठेका श्रमिक	48	13	62	13	110	13
अन्य	44	11	68	15	112	13
कुल	**384**	**100**	**467**	**100**	**851**	**100**

स्रोतः– प्राथमिक सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 2 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि न्यादर्श ग्राम पंचायत फतेहगढ़ व सहजीपुरा मनरेगा के बाद किया गया कार्यों में, कृषि कार्य फतेहगढ़ ग्राम पंचायत में 47 प्रतिशत है, और सहजीपुरा ग्राम पंचायत में 44 प्रतिशत है। निर्माण कार्य में फतेहगढ़ 29 प्रतिशत और वही सहजीपुरा में 28 प्रतिशत है। वही ठेका श्रमिकों में फतेहगढ़ 13 प्रतिशत तथापि सहजीपुरा में 13 प्रतिशत है। मनरेगा कार्यो के बाद अन्य किए गए कार्यों में फतेहगढ़ 11 प्रतिशत व सहजीपुरा 15 प्रतिशत है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना समय अवधि में श्रमिकों की नियमित आयः–

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मनरेगा में 150 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराए जाने का नियम है, इस अवधि में सभी क्षेत्रों में 150 दिवस का रोजगार उपलब्ध हो पाने, नियमित रोजगार प्राप्त न हो पाने तथा अन्य कारणो से हुए कुछ न्यादर्श क्षेत्र में नियमित आय नहीं मिल पाती है। इसके निष्कर्ष को तालिका क्रमांक 3 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका क्रमांक 3 नियमित आय (मनरेगा अवधि में)

उत्तरदाता	फतेहगढ		सहजीपुरा		कुल	
	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत
हॉ	260	69	285	66	545	68
नहीं	116	31	146	34	262	32
कुल	**376**	**100**	**431**	**100**	**807**	**100**

स्रोतः– प्राथमिक सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 3 के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि न्यादर्श ग्राम पंचायतो फतेहगढ़ और सहजीपुरा में मनरेगा अवधि में नियमित आय प्राप्त करने वाले न्यायदर्शी ग्रामों में फतेहगढ़ में 69 प्रतिशत तथा सहजीपुरा में 66 प्रतिशत है, तथापि नियमित आय मनरेगा अवधि में नहीं प्राप्त करने वालों में फतेहगढ़ ग्राम पंचायत में 31 प्रतिशत तथा सहजीपुरा ग्राम पंचायत में 34 प्रतिशत है। ज्ञात होता है कि मनरेगा कार्यों से प्राप्त आय न्यादर्श ग्राम पंचायतो में आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु बहुत सहायक है।

मजदूरों को प्राप्त आय (मनरेगा अवधि में)

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मनरेगा में कुल 150 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है, उपलब्ध रोजगार से प्राप्त आय न्यादर्श क्षेत्रो में मनरेगा अवधि में आय कि पर्याप्तता तथा का विवरण तालिका क्रमांक 4 में किया गया है।

तालिका क्रमांक 4– मजदूरों को प्राप्त आय (मनरेगा अवधि में)

उत्तरदाता	फतेहगढ		सहजीपुरा		कुल	
	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत
हॉ	206	61	284	64	490	63
नहीं	130	39	158	36	288	37
कुल	**336**	**100**	**442**	**100**	**778**	**100**

स्रोतः– प्राथमिक सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 4 से ज्ञात होता है कि न्यादर्श ग्राम पंचायतो फतेहगढ़ एवं सहजीपुरा में मजदूरों को पर्याप्त आय मनरेगा अवधि में 61 प्रतिशत है, तथा सहजीपुरा में 64 प्रतिशत है,तथापि आय प्राप्ति न करने वाले न्यादर्शियो का ग्राम पंचायत फतेहगढ़ में 39 प्रतिशत और ग्राम पंचायत सहजीपुरा में 36 प्रतिशत है। विश्लेषण से ज्ञात होता है, की आय प्राप्त करने वालों का प्रतिशत अधिक तथा आय ना प्राप्त करने वालों का प्रतिशत प्रायः कम है।

मनरेगा के पूर्व वित्तीय स्थिति

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों के अलावा रोजगार की उपलब्धता के अवसर कम होने के कारण तथा समान कार्य के लिए समान मजदूरी प्राप्त न होने, मनरेगा की पूर्व की वित्तीय स्थिति का अध्ययन न्यादर्श क्षेत्रो में किया गया है। जिसका विवरण तालिका क्रमांक 5 में दर्शित हैः–

तालिका क्रमांक 5:– मनरेगा के पूर्व वित्तीय स्थिति

दिन	फतेहगढ		सहजीपुरा		कुल	
	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत
बहुत अच्छा	42	12	66	14	108	13
अच्छा	78	22	114	23	192	23
खराब	230	66	305	63	535	64
कुल	**350**	**100**	**485**	**100**	**835**	**100**

स्रोतः– प्राथमिक सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 5 के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि न्यादर्श ग्राम पंचायतो फतेहगढ़ सहजीपुरा में मनरेगा के पहले वित्तीय स्थिति के संबंध में प्राथमिक सर्वेक्षण के अंतर्गत बहुत अच्छा, अच्छा तथा खराब के अंतर्गत प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। ग्राम पंचायत फतेहगढ़ में बहुत अच्छा, अच्छा तथा खराब की स्थिति में क्रमशः 42 प्रतिशत, 22 प्रतिशत तथा 66 प्रतिशत है जबकि ग्राम पंचायत सहजीपुरा में क्रमशः 14 प्रतिशत, 23 प्रतिशत एवं 63 प्रतिशत है जो की कुल प्रतिशत का 13 प्रतिशत, 23 प्रतिशत तथा 64 प्रतिशत है।

मनरेगा के पश्चात आर्थिक स्थिति

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य के पश्चात रिक्त समय में रोजगार मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। न्यादर्श क्षेत्र में समान कार्य के लिए समान मजदूरी तथा एक वित्तीय वर्ष में कुल 150 दिनों का रोजगार उपलब्ध होने के बाद की वित्तीय स्थिति का विवरण तालिका क्रमांक 6 में दिया गया है।

तालिका क्रमांक 6:– मनरेगा के पश्चात आर्थिक स्थिति

दिन	फतेहगढ		सहजीपुरा		कुल	
	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत
बहुत अच्छा	282	59	292	58	574	58
अच्छा	162	34	158	31	320	33
खराब	34	7	55	11	89	9
कुल	**479**	**100**	**505**	**100**	**983**	**100**

स्रोतः– प्राथमिक सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 6 के विश्लेषण से प्रतीत होता है कि न्यादर्श ग्राम पंचायत फतेहगढ़ व सहजीपुरा में मनरेगा से आर्थिक स्थिति में प्राथमिक सर्वेक्षण के अनुसार फतेहगढ़ में बहुत अच्छा अच्छा और खराब के अंतर्गत ग्रामों में क्रमशः 59 प्रतिशत 34 प्रतिशत व 7 प्रतिशत है जबकि सहजीपुरा ग्राम पंचायत में क्रमशः 58 प्रतिशत 31 प्रतिशत व 11 प्रतिशत है।

ग्राम पंचायत में जीवन स्तर में सुधारः–

न्यादर्श ग्राम पंचायत में रोजगार के अवसर उपलब्ध होने से जीवन स्तर में एवं आर्थिक स्थिति में परिवारों में सुधार हुआ है या नहीं हुआ का अध्ययन किया गया है। जिसे तालिका क्रमांक 7 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका क्रमांक 7: – ग्राम पंचायत में जीवन स्तर में सुधार

उत्तरदाता	फतेहगढ		सहजीपुरा		कुल	
	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत	सर्वेक्षित	प्रतिशत
हॉ	252	73	355	75	607	74
नहीं	95	27	119	25	214	26
कुल	**347**	**100**	**474**	**100**	**821**	**100**

स्रोतः– प्राथमिक सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 7 से ज्ञात होता है कि न्यादर्श ग्राम पंचायत फतेहगढ़ में सहजीपुरा में ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार से संबंधित निष्कर्ष के विश्लेषण से पता चलता है कि ग्राम पंचायत में जीवन स्तर में सुधार आर्थिक स्थिति में सुधार का प्रतिशत फतेहगढ़ व सहजीपुरा ग्राम पंचायत में क्रमशः 73 प्रतिशत व 75 प्रतिशत है जबकि इसी क्रम में नहीं का प्रतिशत कर्मचारी 27 प्रतिशत वह 25 प्रतिशत ही है।

निष्कर्षः–

(1) परिणामस्वरुप समंको के आधार पर यह कहा जा सकता है, की चयनित ग्राम पंचायत में मनरेगा कार्य दिवस का प्रतिशत फतेहगढ़ ग्राम पंचायत की तुलना में सहजीपुरा ग्राम पंचायत में अधिक पाया गया है।
(2) निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है, कि प्राप्त समंको के आधार पर ग्राम पंचायत फतेहगढ़ व सहजीपुरा दोनों में ही मनरेगा के बाद किए गए कार्यों में कृषि कार्यों का प्रतिशत सबसे अधिक है, और कृषि कार्यों के बाद सबसे अधिक प्रतिशत निर्माण कार्यों में पाया गया है।
(3) प्राप्त आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि ग्राम पंचायत सहजीपुरा और फतेहगढ़ में नियमित आय मनरेगा अवधि में प्राप्त आय का प्रतिशत अधिकतम है जो कल सर्वेक्षित प्रतिशत का 68 प्रतिशत है।
(4) इस प्रकार प्राप्त आंकड़ों के आधार स्वरूप यह कहा जा सकता है कि ग्राम पंचायत फतेहगढ़ व सहजीपुरा में मजदूरों को प्राप्त आय मनरेगा अवधि में उत्तरदाताओं द्वारा हां का प्रतिशत अधिक है।
(5) प्राप्त आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि मनरेगा के पहले वित्तीय स्थिति का प्रतिशत खराब में सबसे अधिकतम प्राप्त हुआ है, जो की कुल प्रतिशत का 64 प्रतिशत है।
(6) निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि मनरेगा के बाद न्यादर्श ग्राम पंचायत में फतेहगढ़ की स्थिति सहजीपुरा ग्राम पंचायत से अधिक अच्छी है।
(7) अतः निष्कर्ष यह है कि फतेहगढ़ की तुलना में सहजीपुरा ग्राम पंचायत में अधिक सुधार होता प्रतीत होता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

चौधरी, विजय के. (2004) "छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्र में वाटरशेड विकास कार्यक्रम एमएमई का एक आर्थिक मूल्यांकन" पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़ पी.पी. 1–7.

हरीश, बी.जी., एन. नागराज, एम.जी. चंद्रकांत, पी.एस. श्रीकांत मूर्ति, पी.जी. चेंगप्पा, और जी. बासवराज (2011) "कर्नाटक के केंद्रीय शुष्क क्षेत्र में कृषि के लिए श्रम आपूर्ति और आय वृद्धि पर मनरेगा के प्रभाव और निहितार्थ" कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान समीक्षा, वॉल्यूम। 24 (सम्मेलन संख्या), पीपी 485–494

जसवाल अंशुमन और मंत्रालय पॉलोमी (2003) ...''क्या नरेगा भूख के खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित करेगा? दिशा अहमदाबाद ...

गर्ग एसः– 2008 महिलाओं पर (नरेगा) कार्यक्रम का आर्थिक प्रभाव ... एमएससी थीसिस, अप्रकाशित। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर...

आहूजा यू.आर, एट अल (2011) ''ग्रामीण रोजगार और प्रवास पर मनरेगा का प्रभावः कृषि–पृष्ठभूमि और कृषि में एक अध्ययन– हरियाणा का उन्नत जिला, कृषि–आर्थिक अनुसंधान की समीक्षा। 24: 495–502।

बडोदिया, एस.के. कुशवाह, आर.एस. और शाक्य, एस.के. (2011)। गरीबी उन्मूलन पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का प्रभाव। विस्तार शिक्षा 19: 206–209

नीलाक्षी मान और वरदपांडे (2012)। मनरेगा समीक्षा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम पर शोध अध्ययन का एक संकलन। (2005), 2006–2012, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

सिंह शिव दयाल, ''मनरेगा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारीः राजस्थान की एक केस स्टडी'', IIS Uni. J.S.Sc., Vol. 2(1),Sept.2013.

घोष, एस. (2017)। मनरेगा और महिला भागीदारीः पुरुलिया जिला, पश्चिम बंगाल से एक केस स्टडी। अभिनव नेशनल मंथली रेफरीड जर्नल ऑफ रिसर्च इन आर्ट्स एंड एजुकेशन, 6 (3), 1–5।

रेखा और मेहता, आर. (2019)। ग्रामीण–गरीबों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार में मनरेगा का प्रभावः राजस्थान के जोधपुर जिले का एक अध्ययन। मानविकी और सामाजिक विज्ञान आविष्कार के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएचएसएसआई), 8 (3), 18–24. www-ijhssi-org से लिया गया।